Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

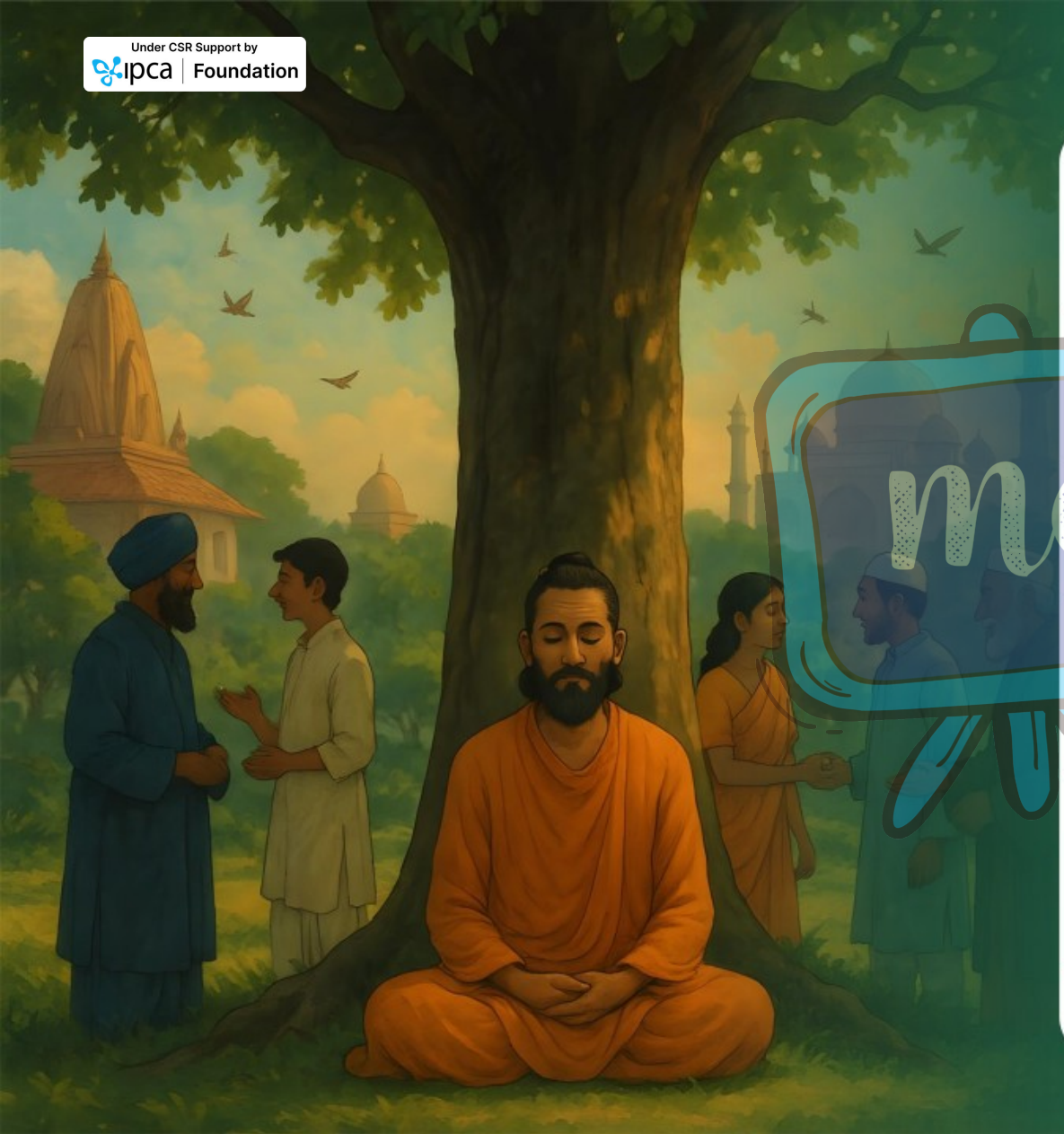

# कक्षा - 9

## हिन्दी

### क्षितिज (काव्य खंड)

### अध्याय -7 : साखियाँ, सबद (पद) (कबीर)

भाग - 4

सबद (पद)

कुशाल सोलंकी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

# विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. कवि परिचय
2. साखियाँ
3. सबद (पद)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## सबद (पद-2)



संतों भाई आई ग्याँन की आँधी रे।

भ्रम की टाटी सबै उड़ाँनी, माया रहै न बाँधी ।।

हिति चित्त की द्वै थूँनी गिराँनी, मोह बलिंडा तूटा।

त्रिस्नाँ छाँनि परि घर ऊपरि, कुबधि का भाँडाँ फूटा।।

जोग जुगति करि संतौं बाँधी, निरचू चुवै न पाँणी।

कूड़ कपट काया का निकस्या, हरि की गति जब जाँणी।।

आँधी पीछे जो जल बूठा, प्रेम हरि जन भींनाँ।

कहै कबीर भाँन के प्रगटे उदित भया तम खीनाँ ।।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

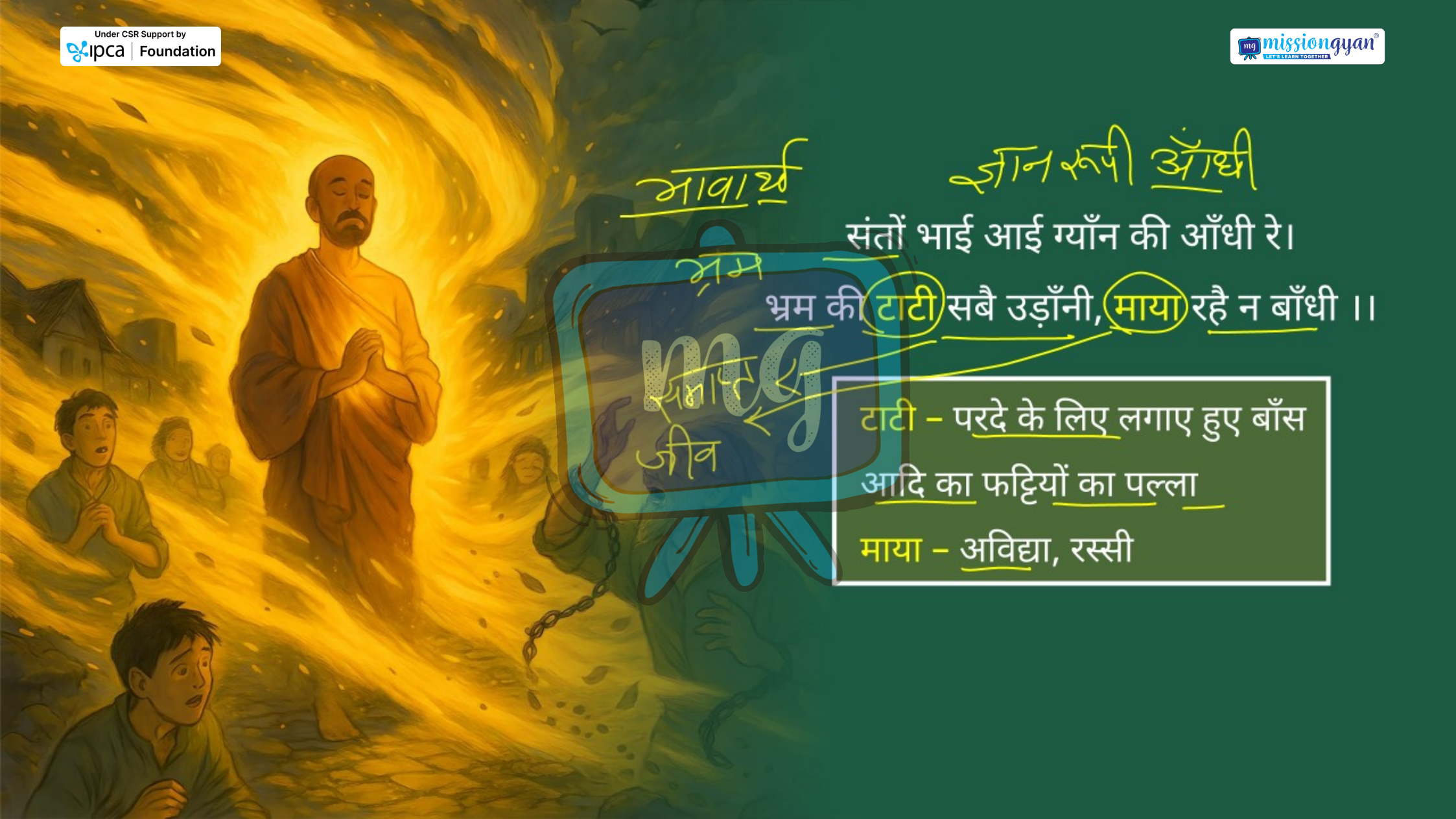

भावार्थ

ज्ञान रूपी आँधी

संतों भाई आई ग्याँन की आँधी रे।

भ्रम

भ्रम की टाटी सबै उड़ाँनी, माया रहै न बाँधी ।।

माया

जीव

टाटी – परदे के लिए लगाए हुए बाँस आदि का फट्टियों का पल्ला

माया – अविद्या, रस्सी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



हिति चित्त की द्वै थूँनी गिराँनी, मोह बलिंडा तूटा।
त्रिस्नाँ छाँनि परि घर ऊपरि, कुबधि का भाँडाँ फूटा।।

- थूँनी – स्तंभ, टेक
- बलिंडा – छप्पर की मजबूत मोटी लकड़ी
- छाँनि – छप्पर
- भाँडाँ – बर्तन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

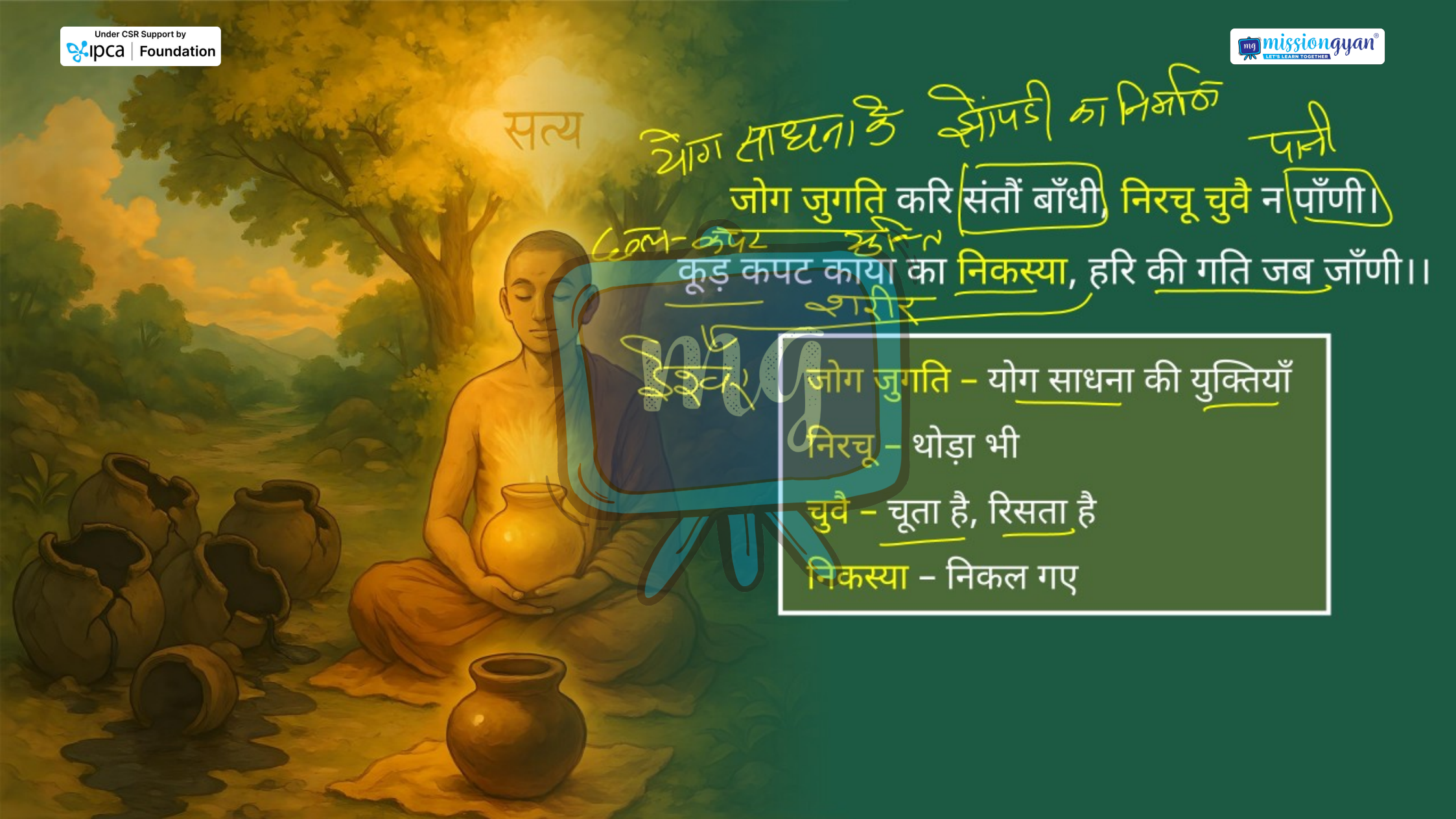

सत्य

जोग जुगति करि संतौं बाँधी, निरचू चुवै न पाँणी।
कूड़ कपट काया का निकस्या, हरि की गति जब जाँणी।।

- जोग जुगति – योग साधना की युक्तियाँ
- निरचू – थोड़ा भी
- चुवै – चूता है, रिसता है
- निकस्या – निकल गए

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

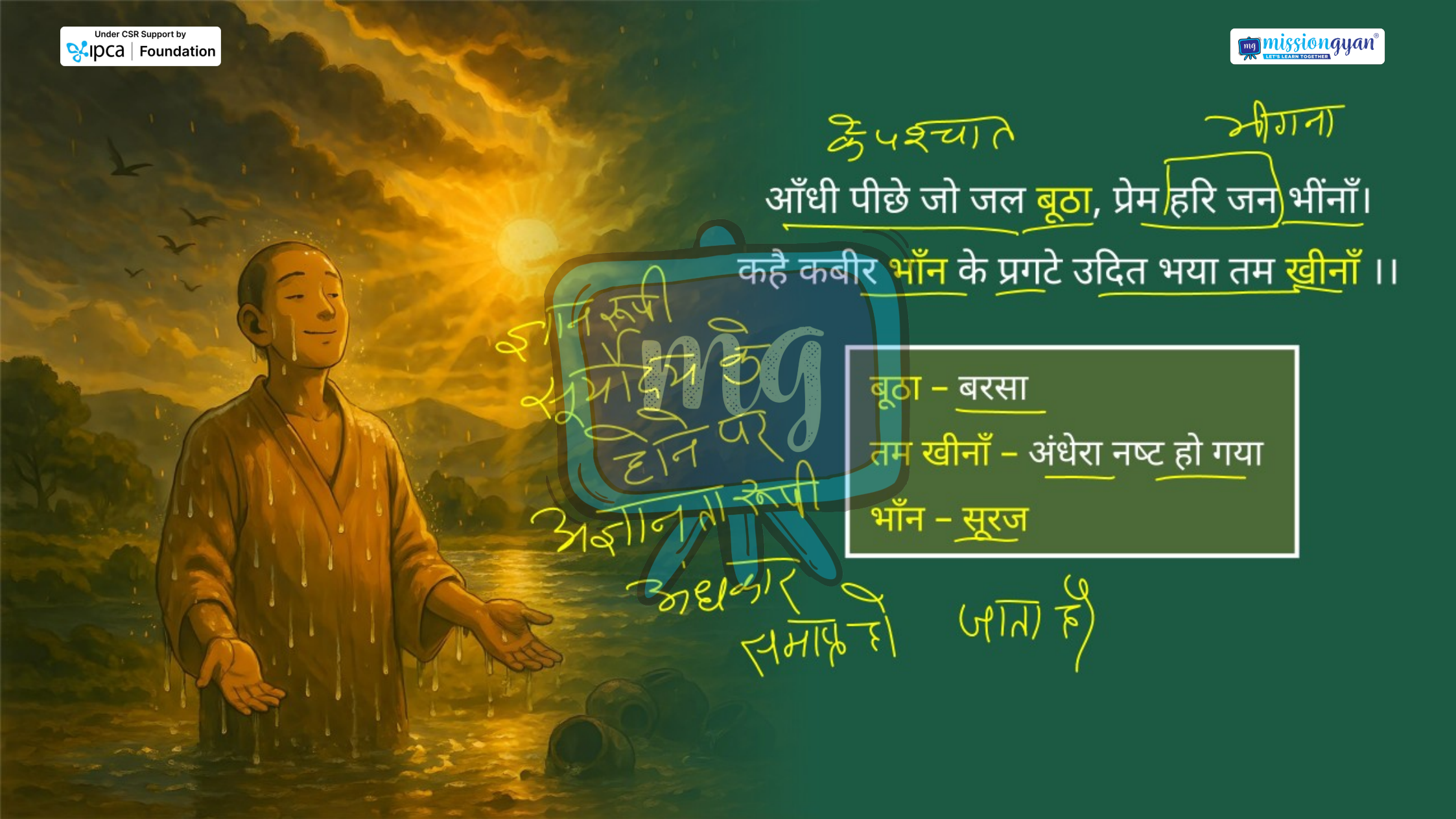

आँधी पीछे जो जल बूठा, प्रेम हरि जन भींनाँ।

कहै कबीर भाँन के प्रगटे उदित भया तम खीनाँ ।।

| | |
|---|---|
| बूठा | बरसा |
| तम खीनाँ | अंधेरा नष्ट हो गया |
| भाँन | सूरज |

# सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)



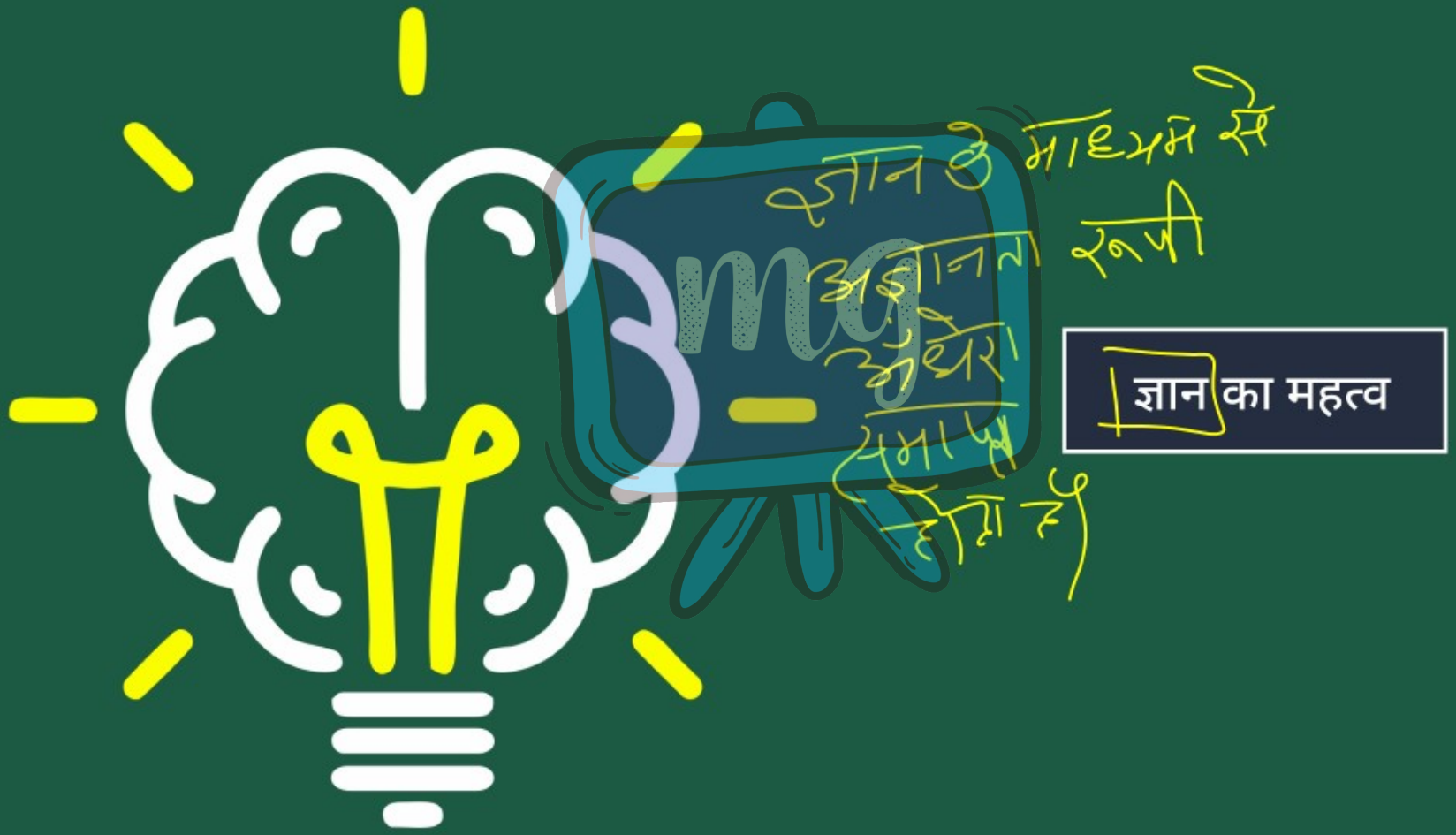

Under CSR Support by
ipca | Foundation

# मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



**1** इस पद में “ज्ञान की आँधी" से क्या तात्पर्य है?

अ तेज हवा

ब ज्ञान का जागरण

स अंधकार का फैलाव

द माया का विस्तार

Under CSR Support by
ipca | Foundation

# मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



**2** ज्ञान की आँधी आने पर भ्रम की टाटी का क्या होता है?

अ वह मजबूत हो जाती है ✗

ब वह उड़ जाती है

स वह रंग बदल लेती है ✗

द वह और फैली जाती है ✗

Under CSR Support by
ipca | Foundation

# मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



**3** इस पद के अनुसार हरि की गति को कब जाना जा सकता है?

अ जब काया का कूड़ कपट निकल जाए

ब जब माया का बंधन और मजबूत हो

स जब मोह और बढ़े

द जब त्रिस्ना बढ़े

# मूल्यांकन (Assessment)





**4** ज्ञान की आँधी के पीछे क्या होता है?

अ प्रेम रूपी जल हरि जनों को भिगो देता है

ब अज्ञान फिर से लौट आता है

स माया का जाल और मजबूत होता है

द त्रिस्ना और बढ़ती है

# मूल्यांकन (Assessment)





**5** कबीर के अनुसार भान (सूर्य) के प्रकट होने पर क्या होता है?

अ तम (अंधकार) दूर हो जाता है

ब माया और फैल जाती है ✗

स मोह बढ़ जाता है ✗

द भ्रम और गहराता है ✗